भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या †2734

उत्तर देने की तारीख 09 मार्च, 2026
18 फाल्गुन, 1947 (शक)

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता

†2734. श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:
श्री ज्ञानेश्वर पाटील:
श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी) के अंतर्गत 8 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों की पहचान की जाती है और उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो उक्त योजना से संबद्ध मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और दादरा और नगर हवेली जिले में कितने विद्यालय हैं और वहां कितनी खेल प्रतिभाओं की पहचान की गई है;

(ग) क्या उक्त राज्यों और जिलों के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में प्रशिक्षण सुविधाओं और योग्य प्रशिक्षकों की भारी कमी वाले क्षेत्रों में उक्त योजना की पहुंच अत्यंत सीमित है;

(घ) क्या सरकार महाराष्ट्र, संघ राज्यक्षेत्र दादरा और नगर हवेली और मध्य प्रदेश के खंडवा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में विशेष खेल नर्सरी स्थापित करने, बेहतर कोचिंग अवसंरचना विकसित करने और चयन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और व्यापक बनाने के लिए कोई ठोस कार्य योजना तैयार कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो इसके लिए तैयार की गई रूपरेखा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) और (ख): जी, हां। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी) स्कीम के तहत 8-14 वर्ष की आयु वर्ग के प्रतिभावान एथलीटों की पहचान की जाती है और उन्हें सुव्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

मध्य प्रदेश राज्य में, एनएसटीसी स्कीम के तहत महारानी लक्ष्मी बहुउद्देशीय हाई स्कूल, जबलपुर में एक नियमित विद्यालय स्थापित किया गया है। प्रशासनिक कारणों से, वर्तमान में यह विद्यालय कार्यशील नहीं है, इसलिए इस विद्यालय में एथलीटों को शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा, महाराष्ट्र तथा दादरा और नगर हवेली जिले में अभी तक कोई नियमित विद्यालय नहीं अपनाया गया है।

(ग) से (ङ): साई ने एथलीटों के अधिक केंद्रित और प्रभावी विकास को सुनिश्चित करने के लिए अपनी खेल संवर्धन स्कीमों के पुनर्गठन की कवायद शुरू की है। राज्यों में मौजूदा खेल अवसंरचना और वित्तीय बाध्यताओं को देखते हुए, वर्तमान में खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मौजूदा केंद्रों की क्षमताओं को सुदृढ़ करने पर ही ध्यान दिया गया है। इसके अलावा, साई केवल अपने साई केंद्रों में ही अवसंरचना का निर्माण / उन्नयन करता है।

*****